DAINIK BHASKAR, Surat, 12.1.2023
Page No. 2, Size:(10.91)cms X (6.89)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • रेल मंत्रालय ने दिया 31 दिसंबर 2022 तक के कार्यों का लेखा-जोखा

21.4 किमी वायडक्ट तैयार, सूरत और आणंद स्टेशन के 50 मीटर ऊंचे पहले स्लैब डाले गए

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

508 किमी अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी बीच रेल मंत्रालय ने बुधवार को वर्ष 2022 में 31 दिसंबर तक की इस परियोजना की स्थिति बताई। रेल मंत्रालय ने बताया कि इस परियोजना में हमने 31 दिसंबर 2022 तक कुल 21.44 किमी वायडक्ट बना लिया है। इनपर हमने गर्डर लांच कर दिया है। 126. 44 किमी रूट पर पिलर का काम पूरा कर लिया है। यह परियोजना गुजरात राज्य में 30.68% जबकि महाराष्ट्र में 13.37% पूरी कर ली गई है। इसके

अलावा सूरत और आणंद स्टेशन का पहला 50 मीटर रेल लेवल स्लैब भी डाल दिया गया है। इसके साथ ही 227.62 किमी तक का पाइल वर्क भी पूरा कर लिया गया है।

ऐसी है वर्तमान स्थिति

पिलर
126.44 किमी

कुल पाइल अबतक
227.62

किमी वायडक्ट
21.44 किमी (तैयार)

गुजरात राज्य में 30. 68 % कार्य
महाराष्ट्र में 13.37 %कार्य

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 12.1.2023
Page No. 3, Size:(8.22)cms X (18.51)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना का 25% काम पूरा

महाराष्ट्र में 98.76% हुआ भूमि अधिग्रहण

गुजरात में बुलेट ट्रेन के लिए तेजी से चल रहा है निर्माण कार्य।

■ **प्रसं, मुंबई:** देश की पहली हाई स्पीड ट्रेन का काम अब तेजी से चल रहा है। विशेष तौर पर महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद इस परियोजना को आवश्यक मंजूरियां मिलीं, जिससे निर्माण कार्य में तेजी आई है। महाराष्ट्र में बीकेसी स्टेशन के निर्माण कार्य और टनल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

नैशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के अनुसार अब तक इस परियोजना 24.73% हिस्सा पूरा हो गया है, जिसे तकनीकी भाषा में फिजिकल प्रोग्रेस कहेंगे। इसमें से गुजरात में 30.68% और महाराष्ट्र में 13.37% काम हुआ है। NHSRCL से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 227.62 किमी का पाइल वर्क (खंबों के लिए जमीन में गड्ढे) और 126.44 किमी का पियर वर्क (खंबों के लिए आधार का निर्माण) हो चुका है। इसके अलावा 21.44 किमी तक गर्डर बन लॉन्च हो चुके हैं।

क्या है भूमि अधिग्रहण की स्थिति

इस परियोजना के लिए NHSRCL 98.87% भूमि अधिग्रहण कर चुकी है। इसमें से गुजरात में 98.91%, दादरा नगर हवेली में 100% और महाराष्ट्र में 98.76% भूमि अधिग्रहण हुआ है। हाल ही में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा इस परियोजना के लिए मैंग्रोव काटने की सशर्त अनुमति मिली थी। इसके बाद बीकेसी से शीलफाटा के बीच जमीन के नीचे 21 किमी तक सुरंग बनाने का काम शुरू हो रहा है। इसमें से 7 किमी सुरंग समंदर में बननी है।

नए साल में नई शुरुआत

जनवरी, 2023 में NHSRCL द्वारा बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्टेशन की इमारत बनाने के लिए कॉन्ट्रैक्टर नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इसी महीने खुली वित्तीय निविदा में मैसर्स मेघा इंजिनियरिंग ऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स और हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (जॉइंट वेंचर) ने सबसे कम 3,681 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। सूत्रों के अनुसार इस परियोजना को फंडिंग करने वाली जापान इंटरनैशनल कॉर्पोरेशन एजेंसी (जाइका) द्वारा निविदा की जांच करने के बाद NHSRCL द्वारा नए कॉन्ट्रैक्टर को मंजूरी मिलेगी। इस स्टेशन निर्माण के लिए एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लि. ने 4,217 करोड़ रुपये और L&T लि. ने 4,590 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी।